



कॉर्पोरेट संप्रेषण एवं निवेशक संबंध

प्रधान कार्यालय : लोकमंगल, शिवाजीनगर, पुणे -5

दूरभाष -020 :25614495, 25614366, 25514501 to 12 Extn. 495

प्रेस विज्ञप्ति

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने को-लेंडिंग के लिए किया लोनटैप के साथ टाय-अप

पुणे, 8 फरवरी, 2021: बैंक ऑफ महाराष्ट्र देश का एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है। बैंक ने पुणे स्थित एनबीएफसी (मेसर्स लोनटैप क्रेडिट प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड) के साथ एमएसएमई ऋण हेतु रणनीतिक को-लेंडिंग करार किया है।

को-लेंडिंग मॉडल डिजिटल उधारी प्लेटफॉर्म के माध्यम से उधारकर्ता की सुविधानुसार ऋण मंजूरी प्रक्रिया को सहज बनाता है। यह मैनुअल हस्तक्षेप के बिना ग्राहक की ऑनबोर्डिंग से लेकर ऋण संवितरण और निगरानी तक एंड-टू-एंड ऋण प्रोसेसिंग को कवर करता है। को-लेंडिंग मॉडल के अंतर्गत, बैंक का 80 प्रतिशत तक एक्सपोजर होगा जबकि शेष लोनटैप द्वारा वहन किया जाएगा।

श्री ए. एस. राजीव, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ ने कहा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में तरलता संकट के मद्देनजर भारतीय रिज़र्व बैंक ने अनसर्वड और अंडर सर्वड को ऋण प्रवाह में संवर्धन और अंतिम लाभार्थी को किफायती लागत पर निधि उपलब्ध कराने हेतु को-लेंडिंग प्रणाली का शुभारंभ किया है।

श्री हेमन्त टम्टा, कार्यपालक निदेशक ने कहा कि को-लेंडिंग मॉडल से बैंक को प्राथमिकता क्षेत्र के उधारी लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। यह सभी के लिए लाभदायी होगा, यथा - व्यापक आउटरीच और ग्राहकों वाले एनबीएफसी, जिन्हें बैंकों से कम लागत पर ऋण उपलब्ध होगा।